म्हारा हरियाणा, सक्षम हरियाणा

CREATIVE ANDCRITICAL THINKING

REFERENCE & PRACTICE

MATERIAL

Hindi, Class-7

(कठपुतली व हिमालय की बेटियाँ पाठाधारित)

TESTING AND ASSESSMENT WING

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING

GURUGRAM (HARYANA)

प्रतिमान -1 (कठपुतली आधारित स्व-रचित कविता)

एक पिंजरे में रहती थी
चिड़िया चार,
पिंजरे का रूप था ऐसा
जैसे जल बीच कमल-आकार
चिंकी, पिंकी, प्रिया और पूजा
प्यारे - प्यारे थे उनके नाम
उनका रिश्ता, उनका प्यार
था उनका जीवन- आधार
दाना - चुगती, पानी पीती
करती सब कुछ समयानुसार
एक दिन गुस्से में पिंकी बोली-
'बहुत हुआ बंधन में जीते
जाना मुझे पिंजरे के पार'
सुन पिंकी से मन की बात
चिंकी ने छेड़े अपने तार
आओ! सब मिल, करें कुछ ऐसा
जिससे मिल जाए मुक्ति - द्वार
हमारे सपने, हमारी उड़ान
जिसका न हो कोई पार
सब सुन मुस्काई प्रिया और पूजा
उन्हें भी जाना था उस पार

प्रश्न-1. आपके अनुसार सब सुख- सुविधाएँ होते हुए भी चिड़िया आज़ाद क्यों होना चाहती थीं?

प्रश्न-2. 'प्यार...आकार...' कविता में कुछ समान लय वाले शब्द प्रयुक्त हुए हैं; ऐसे किन्ही 4 शब्दों को ढूँढकर लिखिए।

प्रश्न-3. यदि चार चिड़िया एक दिन में 250 ग्राम बाजरे के दाने और 150 ग्राम गेहूँ के दाने खाती हैं, तो उनके द्वारा एक सप्ताह में खाए जाने वाला कुल अनाज कितना होगा?

प्रश्न-4. 'अपने तार छेड़ना' से यहाँ क्या तात्पर्य है?

प्रश्न-5. यदि एक चिड़िया के पिंजरे का वृताकार भाग जिसकी त्रिज्या 20 से.मी.है, यह कितने मीटर के बराबर है?

- **श्रीमती इंदु बाला प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम**

प्रतिमान -2 (कठपुतली कविता आधारित)

क्यों बंधी उंगलियों से, खोलो अब मैं जीना चाहती हूँ
आजादी के मीठे रस को मैं पीना चाहती हूं।
जीवन की है डोर तुम्हारे पास मेरी, अब खोलो,
हे ईश्वर, मेरी इस विनती पर कुछ तो तुम बोलो।
कर एक इशारा मुझे नचाते तुम अपने हाथों से,
जीवन स्वतंत्र कर दो मेरा, ना बहलाओ बातों से।
ईश्वर बोले- कठपुतली! आजाद तुम्हें कर दूँगा,
डोर खोलकर हर बंधन से मुक्त तुम्हें कर दूँगा।
पर बात बताओ, क्या सबकी जिम्मेदारी तुम ले लोगी ?
कंधों पर सबका बोझ लिए, क्या स्वतंत्र तुम रह लोगी ?
यह सुनकर कठपुतली ठिठकी, मन में पुनः विचार किया,
सोच-समझकर कदम बढ़ाना, उसने ये स्वीकार किया।

प्रश्न-1 प्रस्तुत कविता में धागे किसका प्रतीक हैं?

प्रश्न-2 कठपुतली अपनी किस इच्छा को प्रकट कर रही है ?

प्रश्न-3 कठपुतली ने ठिठकते हुए क्या विचार किया ?

प्रश्न-4'ईश्वर कठपुतली से किनकी जिम्मदारी लेने की बात कर रहे हैं?

प्रश्न-5- यदि एक कठपुतली के निर्माण में 60 से.मी. कपड़ा लगता हो तो 8 कठपुतलियाँ बनाने में कितना कपड़ा लगेगा ?

-डॉ.अश्विनी शर्मा प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम

प्रतिमान -3 (कठपुतली कविता आधारित स्वरचित कविता - बेटी)

बेटी

बेटी है आधार जगत का ,
उसे खिलने और संवरने दो ।
कठपुतली मत समझो उसको ,
उसे अपने पांव पे चलने दो ।।

मत मजबूर करो तुम उसको ,
शर्तों पर जीवन जीने को ।
रोशन नाम तुम्हारा कर वह ,
चोड़ा करदे सीने को ।।

बेटों - सा मनचाहा जीवन ,
उसको भी तुम जीने दो ।
मत जकड़ो उसको बेड़ी में ,
मन के छंद उसे छूने दो ।।

सदा इशारे पर वह नाचे ,
जायज़ यह दस्तूर नहीं ।
21 वीं सदी की बेटी को ,
कठपुतली बनना मंज़ूर नहीं ।।

नहीं काठ की बनी सुनो वह ,
है रक्त - मांस की कोमल काया ।
"समता" मूरत ममता की वह ,
है तरुवर - सी शीतल छाया ।।

©samta_yadav

1. कविता के अनुसार बेटी क्या नहीं है -
   (क) गुड़िया
   (ख) कमजोर
   (ग) कठपुतली
   (घ) कोई नहीं

2. बेटी कैसा जीवन जीने के लिए मजबूर है -

   (क) शर्तों में बंधा

   (ख) दहशत वाला

   (ग) अज्ञान से भरा

   (घ) संघर्षशील

3. 'बेटों - सा मनचाहा जीवन उसको भी तुम जीने दो' - कवयित्री ने ऐसा क्यों कहा है ? दो पंक्तियों में उत्तर दीजिए

4. रामगढ़ गांव में लड़कों की अपेक्षा लड़कियों की संख्या कम है वहां 2500 लोग रहते हैं गांव में लड़कियों की संख्या सिर्फ 1200 है बताइए लड़कियां गांव की जनसंख्या का कितना प्रतिशत है ?

5. 2020 वर्ष किस सदी से सम्बंधित है ?

   क) 19 वीं ख) 20 वीं) ग) 21 वीं) 22वीं

-समता यादव टी०जी०टी० हिन्दी, रा० उ० वि० लाला , जाटुसाना

प्रतिमान -4 (कठपुतली नामक कविता से संबंधित स्वरचित गद्यांश)

हमारे देश में प्राचीन काल से ही कठपुतलियों का खेल दिखाया जाता रहा है। पुराने समय में कठपुतलियों का खेल बहुत पसंद किया जाता था। गांव के लोग बड़े चाव से कठपुतलियों का खेल देखते थे। कठपुतलियों का खेल दिखाने वाला कलाकार अपनी कठपुतलियों को बारीक धागों से बांधे रहता था। हमारे देश के राजस्थान में यह खेल सर्वाधिक लोकप्रिय रहा है। राजस्थान के भाट जाति के लोग कठपुतली बनाकर बहुत अच्छा नाटक करते हैं। कठपुतली का खेल दिखाने वाला कलाकार कई प्रकार के रंगों तथा अनेक प्रकार के वस्त्रों से अपनी कठपुतलियों को सजाता है ताकि खेल दिखाते समय उसकी कठपुतलियाँ सुंदर और आकर्षक लगें| कठपुतली कलाकार खेल दिखाते समय गीत गाते हुए लोगों का खूब मनोरंजन करते हैं। खेल देखकर लोग कठपुतली कलाकार को पैसे देते हैं। इस प्रकार वे लोग कठपुतलियों का खेल दिखाकर अपना जीवनयापन करते हैं। यह खेल मनोरंजन के साथ -साथ समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य भी करता है। इस खेल के माध्यम से दहेज-प्रथा, बाल-विवाह, बालिका-शिक्षा आदि के प्रति समाज को जागरूक किया जाता है एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों तक पहुँचाई जाती है। कठपुतलियाँ निर्जीव होती हैं लेकिन जब इनका प्रदर्शन किया जाता है तो ऐसा लगता है जैसे ये सजीव हो उठी हों। वास्तव में कठपुतलियों का खेल बड़ा लोकप्रिय और शिक्षाप्रद खेल है। 21 मार्च के दिन 'विश्व-कठपुतली दिवस' मनाया जाता है।

प्रश्न 1 कठपुतली कब सजीव हो उठती है ?

प्रश्न 2 कठपुतली की सजावट किस प्रकार की सामग्री से होती है ?

प्रश्न 3 मनोरंजन के साथ - साथ किस प्रकार कठपुतलियों का खेल समाज को जागरूक करता है? कोई दो उद्देश्य लिखिए

प्रश्न4 एक कठपुतली कलाकार ने किसी गाँव में कठपुतलियों का खेल दिखाया। खेल देखने के उपरांत दर्शकों ने रुपये10 के 21 नोट, रुपये 20 के 13 नोट, रुपये 50 के 3 नोट तथा

रुपये 5 के 18 सिक्के कठपुतली कलाकार को दिए तो बताइए दर्शकों ने उसे कुल कितने रुपए दिए?

प्रश्न 5 यदि किसी कठपुतली निर्माण में 175 रूपए खर्च हों तो आधा-दर्जन कठपुतली निर्माणमें कितना खर्च आएगा ?

- **श्री दलबीर सिंह टी० जी० टी० हिन्दी, रा० मा० वि० गाजीपुर गोपालपुर ,जाटुसाना**

प्रतिमान -5 (कठपुतली नामक कविता से संबंधित - स्वरचित गद्यांश)

गुलामी से मुक्ति ही स्वतन्त्रता है। गुलामी चाहे दूसरे देश की हो या ऐसी परम्पराओं की जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। कैथल जिले के चौशाला गाँव की बहू सीमा का नाम अचानक ही समाचार पत्रों के स्थानीय पृष्ठों पर चर्चित हो गया। सीमा जब चौशाला गाँव मे बहू बनकर आयी तो उसे भी गाँव की अन्य महिलाओं की भांति पर्दा करना पड़ता था। यह बात उसके मन में काँटे की तरह चुभती थी। वर्ष 2009 में हुए पंचायत चुनावों में गाँव के सरपंच का पद महिलाओं के लिए आरक्षित था। सीमा ने यह चुनाव लड़ा और गाँव की सरपंच बन गयी। सरपंच बनते ही उसने गाँव की महिलाओं को पर्दा-प्रथा से मुक्ति दिलवाने का बीड़ा उठाया। शुरु मे गाँव के कुछ लोगों ने इसका विरोध किया । किन्तु धीरे–धीरे इस कुप्रथा से दुःखी गाँव की अन्य महिलाओं ने भी पर्दा करना छोड़ दिया।कुछ दिनों बाद गाँव की महिलाओ ने इकट्ठे होकर पर्दा-प्रथा के खिलाफ रैली निकाली।

प्रश्न-. 1 सीमा के मन में कौन-सी बात काँटे की तरह चुभती थी ?

प्रश्न-. .2 **पर्दा-प्रथा को उचित अथवा अनुचित ठहराते हुए एक तर्क दीजिए** ।

प्रश्न-. 3 'बीड़ा उठाना' मुहावरे का अर्थ सहित वाक्य मे प्रयोग करें ?

प्रश्न-. 4 एक गांव में सरपंच पद के लिए कुल 5050 वोट पड़े। सीमा को 2050,राधा को 1500,तथा तमन्ना को बाकी वोट मिले, **तो बताइए** सीमा अपने निकटतम उम्मीदवार से कितने मतों से विजयी रही ?

प्र. 5 दस महिलाएँ किसी काम को 5 दिन मे करती है। 2 महिलाएं उसी काम को कितने दिनों मे करेंगी ?
क 20 दिन ख 30 दिन ग 25 दिन घ 10 दिन

- **दीपक राविश पी.जी.टी. हिन्दी, रा. उ. वि. नन्दकरण माजरा (कैथल)**

प्रतिमान -6 (हिमालय की बेटियाँ पाठ आधारित)

मेरे कितने ही नाम हैं जैसे नदी, सरिता, प्रवाहिनी, तटिनी, क्षिप्रा आदि। यह सभी नाम मेरी गति के आधार पर रखे गए हैं। मेरा नित्य-प्रति का काम है कि मैं जहाँ भी जाती हूँ वहाँ की धरती, पशु -पक्षी ,मनुष्यों व खेत – खलिहानों आदि की प्यास बुझाकर उनका ताप हरती हूँ तथा उन्हें हरा-भरा करती रहती हूँ। इसी में मेरे जीवन की सार्थकता और सफलता है।
आज मैं जिस रूप में मैदानी भाग में दिखाई देती हूँ, वैसे मैं सदैव से नहीं हूँ। प्रारंभ में तो मैं भी बर्फानी पर्वत-शिला की कोख में चुपचाप , अनजान और निर्जीव-सी पड़ी रहती थी। कुछ समय पश्चात में एक शिलाखंड के अंतराल से उत्पन्न होकर मधुर संगीत के स्वरलहरी पर थिरकती हुई आगे बढ़ती गई। इस प्रकार पहाड़ों , जंगलों को पार करती हुई मैदानी इलाकों में आ पहुँची। जहाँ - जहाँ से मैं गुजरती, मेरे आस -पास छोटी-बड़ी बस्तियां स्थापित होती गई। कारखानों व घरों की गंदगी से मैं प्रदूषित होती गई। इतनी सब बाधाओं को पार करते हुए चलते रहने से अब मैं थक गई हूँ तथा अपने प्रियतम सागर से मिलकर उसमें समाने जा रही हूँ। मैंने सभी कुछ धैर्य-पूर्वक सहा है। मैं आप सभी से यह कहना चाहती हूं कि आप भी हर कदम पर आने वाली विघ्न-बाधाओं को पार करते हुए मेरी तरह आगे बढ़ते जाओ, जब तक अपना लक्ष्य प्राप्त न कर लो

प्रश्न-. 1.नदी का पर्यायवाची नहीं है-

(क) तरंगिणी (ख)निर्झरिणी (ग) तरणी (घ) प्रवाहिनी

प्रश्न-. 2. नदियों से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ? गद्यांश के आधार पर बताइए ।

प्रश्न-. 3.सागर से मिलने के लिए नदी ने क्या कठिनाइयाँ उठाई? अपने शब्दों में (25-30) बताएँ।

प्रश्न-. 4. यदि किसी नदी की लम्बाई 2500 कि.मी. है और एक तैरती हुई वस्तु 50 घंटों में नदी की आधी लम्बाई तय करती है तो नदी के बहाव की गति क्या है ?

प्रश्न-. 5. एक गतिमान वस्तु की गति 200 मीटर / मिनट है तो उसकी गति किलोमीटर /घंटा में क्या होगी -

(क) 10 किलोमीटर / घंटा

(ख)12 किलोमीटर / घंटा

(ग) 11 किलोमीटर / घंटा

(घ)इनमें से कोई नहीं

-किरण बाला प्रवक्ता, रा० क० व० मा० वि० डीघल, ब्लाक बेरी, झज्जर

प्रतिमान -7 (हिमालय की बेटियाँ पाठ आधारित)

हमारे देश में नदियों की पूजा करने की परंपरा प्राचीन रही है। नदियों को देवी देवताओं के समकक्ष माना जाता रहा है। अनेक नदियों को देवी स्वरूप मानकर उनकी पूजा करना हमारी संस्कृति की पहचान रही है। आज भी लगभग सभी नदियों को मां के रूप में सम्मान दिया जाता है। गंगा ही नहीं देश की दूसरी नदियों के प्रति भी हमारे मन में गहरी आस्था है। यह हमारे संस्कार का हिस्सा बन चुका है। देश की दूसरी नदियों को भी हम गंगा से कम महत्वपूर्ण नहीं मानते हैं । ऐसा माना जाता है कि नर्मदा माता के दर्शन-मात्र से ही मनुष्य पवित्र हो जाता है। हर नदी की कोई ना कोई अपनी गाथा - विशेष है।

यह विडंबना ही है कि हमारी आस्था और संस्कृति से जुड़ी पवित्र नदियाँ प्रदूषित हो रही है लोग काफी समय से सीवर, औद्योगिक कचरा, पॉलिथीन आदि डाल रहे है, जिससे आज भारत की नदियाँ दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित हो गई है दिल्ली में यमुना , कानपुर में गंगा एवं मुंबई में मीठी नदी अत्यंत प्रदूषित है।

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से कौनसी नदी के दर्शनमात्र से ही मनुष्य समझता है कि उसके सारे पाप दूर हो गए- (क) गंगा (ख) यमुना (ग) नर्मदा (घ) कावेरी

प्रश्न 2. धार्मिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव ने निम्नलिखित में से कौन सी नदी को अपनी जटाओं में धारण किया है ?

(क) भगीरथी (ख) यमुना (ग) नर्मदा (घ) सरस्वती

प्रश्न 3. मान लीजिए आप अपने परिवार के साथ गंगा स्नान करने जा रहे हैं आपके पिताजी कार को 60 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चला कर 2 घंटे 40 मिनट
में आपको गंगा नदी तक पहुंचा देते हैं। ज्ञात कीजिए
आप ने कुल कितने किलोमीटर का सफर तय किया ?

प्रश्न 4. गंगा नदी की पूजा करने के लिए आपकी दादी ने पूजा की थाली □ 225में खरीदी। रुपए 51 रुपए दान पेटी में डाले । यदि दादी के पास कुल 1250 रुपए हों तो अब उनके पास कितने रूपए शेष बचे ?

प्रश्न 5 जल-प्रदूषण को रोकने के लिए कोई दो उपाय बताइए।

-गीता सिन्धु , प्रवक्ता, रा० व० मा० वि० भंभेवा , बेरी ब्लाक

प्रतिमान -8 (बाल पत्रिका आधारित)

प्रश्न-1 उपर्युक्त दी गई बाल-पत्रिका के अतिरिक्त किसी एक बाल-पत्रिका का नाम लिखिए

प्रश्न-2 बाल-पत्रिका की कोई एक विशेषता बताइए

प्रश्न -3 एक पत्रिका का मूल्य 15 रु0 है। 10% छूट होने पर आपको कितने में मिलेगी?

प्रश्न-4 एक पत्रिका का वार्षिक मूल्य 150 रु0 है और मासिक मूल्य 15रु0 है यदि आप उसका वार्षिक सदस्यता लें तो आप को भुगतान में कितने प्रतिशत लाभ होगा ?

प्रश्न 5 'भास्कर' शब्द का क्या अर्थ है ?

- बलबीर सिंह पुनिया प्रवक्ता जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मात्रशाम (हिसार)

प्रतिमान -9 (मोबाइल फोन आधारित)

1. कौन सा कथन असत्य है ?

   क) इस फ़ोन का कैमरा 3 मेगा पिक्सल का है।

   ख) इसमें दो सिम डलती हैं।

   ग) यह फोन एंड्राइड नहीं है ।

   घ) इसके साथ 4G.B मेमोरी कार्ड है।

2. विज्ञापन में 3.9 स्क्रीन से अभिप्राय: है-

   ङ) 3.9 डेसी.मी.

   च) 3.9 मि..मी.

   छ) 3.9 इंच

   ज) 3.9 फुट

3. फ़ोन लेते समय किन -किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए । किन्हीं दो के बारे में लिखिए ।
4. अगर आपके पिता जी के फोन की बैटरी 4500 mAh है और वह 6 घंटे चलता है तो यह विज्ञापित फ़ोन कितने घंटे चलेगा?
   (क)3 घंटे (ख)2 घंटे (ग) 2 घंटे 12 मिनट (घ) 2 घंटे30 मिनट
5. यदि कोई ग्राहक अपना पुराना फ़ोन देकर यह फ़ोन खरीदता है और उसको 12% छूट मिलती है, तब उसको यह फोन कितने रूपए में मिलेगा?
   (क) 2800 रूपए (ख)3200 रूपए (ग)2860 रूपए (घ)3000 रूपए

-सुशील कुमार बी0 आर0 पी0 हिन्दी जींद(उचाना)

<u>उत्तरमाला</u>

प्रतिमान -1

उत्तर -1 - छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -2 -छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -3 - 2.8 कि.ग्राम

उत्तर -4 - छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -5 - 0.5 मीटर या 1/5 मीटर

प्रतिमान -2

उत्तर -1 - बंधन/गुलामी

उत्तर -2 -स्वतंत्र होने की

उत्तर -3 - छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -4 -छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -5 -4.80 मीटर

प्रतिमान -3

उत्तर -1 - कठपुतली

उत्तर -2 -शर्तों में बंधा

उत्तर -3 - छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर -4 - 48 %

उत्तर -5 - 21 वीं सदी

प्रतिमान -4

उत्तर -1 - प्रदर्शन के दौरान

उत्तर -2 -कई प्रकार के रंगों तथा अनेक प्रकार के वस्त्रों से

उत्तर -3 - छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर -4 - 710 रु

उत्तर -5 - 1050 रु

प्रतिमान -5

उत्तर -1 - पर्दा-प्रथा की

उत्तर -2 -छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर -3 - छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर -4 - 36.66 %

उत्तर -5 - 25 दिन

प्रतिमान -6

उत्तर -1 - तरणी

उत्तर -2 -छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर -3 - छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर -4 - 25 कि. मी. प्रति घंटा

उत्तर -5 - 12 किलोमीटर/घंटा

प्रतिमान -7

उत्तर -1 - नर्मदा

उत्तर -2 - भगीरथी

उत्तर -3 - 160 कि.मी

उत्तर -4 - 974 रु

उत्तर -5 - छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे।

प्रतिमान -8

उत्तर -1 - छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर -2 - छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर -3 - 13.50 रु

उत्तर -4 - 20 %

उत्तर -5 - सूर्य

प्रतिमान -9

उत्तर -1 - इस फ़ोन का कैमरा 3 मेगा पिक्सल का है।

उत्तर -2 -3.9 इंच

उत्तर -3 - छात्र स्व -विवेक से उत्तर देंगे।

उत्तर -4 - 2 घंटे

उत्तर -5 - 2860 रूपए